खबर संक्षेप

ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा 5 मई से प्रारंभ होगा पांच दिवसीय आध्यात्मिक बाल संस्कार शिविर

मण्डला। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मंडला के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बच्चों के लिए निःशुल्क पंच दिवसीय आध्यात्मिक बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 05 मई से 09 मई तक प्रतिदिन सुबह 09 बजे से 1 बजे ब्रह्माकुमारीज मार्ग, बस स्टैंड के पीछे,रविश्व शांति भवनर में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बच्चों को सात्विक जीवन जीने और नैतिक मूल्यों की जानकारी दी जाएगी, इसके साथ योग–मेडिटेशन, नैतिक शिक्षा , खेलकूद व प्रतियोगिता भी रहेगी। बौद्धिक और रचनात्मक तरीकों से बच्चों को संस्कारित किया जाएगा। यह शिविर में 10 वर्ष से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए रखा गया है, इस शिविर में अपना निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करने के लिए बस स्टैंड के पीछे, विश्व शांति भवनर में या मो.न.–7999925948, 8085531012 में संपर्क कर सकते हैं।

हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

मण्डला। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। यह परीक्षाएं 7 मई से प्रारंभ होंगी। मंडल द्वारा आयोजित इन परीक्षाओं के प्रवेश पत्र एमपीऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं। परीक्षार्थी www.mpbse.mponline.gov.in, http://www.mpbse.mponline.gov.in वेबसाइट पर जाकर अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। मंडल ने सभी विद्यार्थियों से समय रहते प्रवेश पत्र प्राप्त कर परीक्षा की तैयारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

वितरण पंजी रोज अपडेट करने कलेक्टर ने दिये निर्देश

कलेक्टर ने किया उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण

*** कार्डधारकों से भी लिया फीडबैक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नैनपुर भ्रमण के दौरान कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने रविवार को ग्राम मक्के स्थित उचित मूल्य की दुकान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वितरण पंजी की जांच करते हुए निर्देश दिए कि ग्राम के सभी कार्डधारकों के नाम पंजी में अंकित किए जाएं और दैनिक आधार पर अपडेट किया जाए। दुकान परिसर में साफ-सफाई की स्थिति ठीक न मिलने पर कलेक्टर श्री धोटे ने नाराजगी जताई और तत्काल स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री धोटे ने सेल्समेन से मासिक उठाव के विरुद्ध राशन वितरण की जानकारी ली। केंद्र में 100 प्रतिशत वितरण होने पर उन्होंने सेल्समेन को बधाई दी और कहा कि हर माह निर्धारित समय पर राशन वितरण सुनिश्चित करें। उन्होंने उपस्थित कार्डधारकों से भी फीडबैक लिया। इस दौरान एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर, तहसीलदार नैनपुर, जेएसओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने निवारी-हीरापुर उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने रविवार को नैनपुर भ्रमण के दौरान निवारी और हीरापुर वेयर हाउस के उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। निवारी केंद्र में छाया की पर्याप्त व्यवस्था न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि केंद्र में किसानों को सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। कलेक्टर श्री धोटे ने केंद्र प्रभारी को तत्काल पर्याप्त छायादार स्थान के साथ शीतल जल और छाछ की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हीरापुर वेयर हाउस में कलेक्टर श्री धोटे ने स्वयं गेहूं उठाकर गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने सर्वेयर से फसल के ढेर से गेहूं उठवाकर चमकविहीन दानों की सैंपलिंग करवाई। सर्वेयर को निर्देश दिए कि किसानों की फसलों की सावधानीपूर्वक सैंपलिंग करें और शंका होने पर दोबारा जांच करें, ताकि किसानों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि उपार्जन का कार्य शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार ही किया जाए। कलेक्टर श्री धोटे ने केंद्र पर मौजूद किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और स्लॉट बुकिंग संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए डीएसओ को निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर, तहसीलदार, डीएसओ, डीएम नान, डीएम वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन, जेएसओ, सर्वेयर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने नैनपुर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने रविवार को नैनपुर भ्रमण के दौरान कृषि उपज मंडी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मंडी परिसर में किसानों की फसल खरीद, रखरखाव और शेड की सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। मंडी सचिव से चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि नैनपुर मंडी में विस्तार की पर्याप्त संभावनाएं हैं। वर्तमान में डी श्रेणी की यह मंडी है, जिसे सी श्रेणी में अपग्रेड करने के लिए जरूरी मानकों को पूरा करने के प्रयास किए जाएं, ताकि किसानों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

कलेक्टर श्री धोटे ने मंडी परिसर में ही किसानों के साथ चौपाल लगाकर सीधा संवाद किया। किसानों ने चमकविहीन गेहूं के उपार्जन, स्लॉट बुकिंग में आ रही दिक्कत, उर्वरक वितरण की ई-टोकन व्यवस्था, फसल बीमा, सहकारी समितियों की कर्ज वसूली और पराली प्रबंधन से जुड़ी समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने किसानों को आश्वस्त किया कि शासन के निर्धारित मानकों के अनुसार ही सभी उपार्जन केंद्रों में गेहूं की खरीद की जा रही है। स्लॉट बुकिंग को लेकर उन्होंने कहा कि किसान परेशान न हों, जिनकी फसल का उपार्जन हो चुका है उन्हें शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। फसल बीमा को लेकर कलेक्टर श्री धोटे ने बताया कि आगामी समय में नैनपुर में विशेष कैंप लगाकर किसानों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

इसके बाद कलेक्टर श्री धोटे ने नैनपुर के अनाज व्यापारियों से भी चर्चा की। मंडी परिसर के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और व्यापारियों की समस्याओं पर विस्तार से बातचीत हुई। कलेक्टर ने कहा कि मंडी का उन्नयन होने से व्यापारी और किसान दोनों को लाभ होगा।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर, तहसीलदार, डीएसओ, डीएम नान, डीएम वेयरहाउसिंग, जेएसओ, मंडी सचिव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश अंडर-20 फुटबॉल टीम में मंडला के चार खिलाड़ियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश अंडर-20 फुटबॉल टीम में मंडला के चार खिलाड़ियों का चयन मंडला जिले की फुटबॉल प्रतिभा ने एक बार फिर प्रदेश स्तर पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा इंदौर में आयोजित अंतर जिला अंडर-20 फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद मंडला डी.एफ.ए. के चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन मध्यप्रदेश अंडर-20 फुटबॉल टीम में हुआ है। इस उपलब्धि ने पूरे जिले को गौरवान्वित किया है, वहीं इस सफलता के पीछे फुटबॉल खिलाड़ियों की मेहनत, मार्गदर्शन और समर्पण की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 11 अप्रैल से 19 अप्रैल तक इंदौर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मंडला डी.एफ.ए. की टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। पूरे टूर्नामेंट में मंडला के खिलाड़ियों ने अनुशासन, सामंजस्य और आक्रामक खेल शैली का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों का खेल के प्रति समर्पित दृष्टिकोण का बड़ा योगदान रहा। जिला फुटबॉल संघ के सचिव एवं फुटबॉल प्रशिक्षक पंकज उसराठे ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 26 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर (नेशनल कैंप) के लिए किया गया था। इस शिविर में मंडला डी.एफ.ए. के सात खिलाड़ियों ने स्थान बनाया, जो अपने आप में जिले के लिए बड़ी उपलब्धि रही। 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक इंदौर में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी क्षमता, फिटनेस और खेल कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। शिविर के समापन के बाद मध्यप्रदेश अंडर-20 टीम के लिए 18 खिलाड़ियों की अंतिम सूची घोषित की गई, जिसमें मंडला जिले के चार होनहार खिलाड़ी अशोक उइके, डेनिश भावेदी, अजीत कुमार और नागेश्वर धुर्वे ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और शानदार प्रदर्शन के दम पर प्रदेश टीम में स्थान बनाया। इन खिलाड़ियों की इस उपलब्धि मैं वर्षों की परिश्रम, अनुशासित प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को निरंतर आगे बढ़ाने की सोच स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। अब ये चारों खिलाड़ी 3 मई से 15 मई तक छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय अंडर-20 फुटबॉल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय मंच पर मंडला के खिलाड़ियों की यह उपस्थिति न केवल जिले के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन और समर्पित प्रशिक्षण से छोटे जिलों की प्रतिभाएं भी बड़े मंच तक पहुंच सकती हैं।

पत्रकार फाउंडेशन भोपाल ने सम्मानित किया कुर्मी समाज के शिक्षक- शिक्षिका, प्रियदर्शन और संजूलता को

मण्डला। पत्रकार फाउंडेशन जिला मंडला के तत्वावधान में आयोजित उत्कृष्ट नागरिक सम्मान समारोह श्रीमती संपत्तियां जी उइके कैबिनेट मंत्री, फग्गन सिंह कुलस्ते सांसद मंडला एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय स्थित झंकार भवन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुर्मी समाज की शिक्षिका संजू लता सिंगौर एवं शिक्षक प्रिय दर्शन पटेल को उनके शासकीय कार्यों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न नवाचारों एवं समाज सेवा के लिए उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा कुर्मी समाज की इन दोनों विभूतियों को शाल-श्रीफल, प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया। आपके सम्मान से समाज का गौरव बढ़ा है। आपकी उपलब्धि पर समूचा समाज हर्ष व्यक्त करता है और आशा करता है कि आप अपने-अपने क्षेत्र में इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करके समाज सेवा में भी सदैव तत्पर रहेंगे। समाज के इन दोनों विभूतियों को कुर्मी समाज के एडवोकेट सीबी पटेल, राजकुमार सिंगोर, अखिलेश चंद्रोल, कुंज बिहारी पटेल, रामभजन पटेल सहित विभिन्न लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाइयां प्रेषित किया है।

कलेक्टर श्री धोटे के नेतृत्व में सामाजिक सरोकार

*** जनसंपर्क विभाग के सोशल मीडिया हैंडलर ने किया रक्तदान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के कुशल नेतृत्व एवं सहायक संचालक राहुल वासनिक के मार्गदर्शन में जिला जनसंपर्क कार्यालय में पदस्थ सोशल मीडिया हैंडलर हिमांशु यादव ने रक्तदान कर मानवता की सेवा की मिसाल पेश की है।

ऑफिस के कर्तव्यों के निर्वहन के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के प्रति सजगता दिखाते हुए श्री यादव ने जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पहुँचकर रक्तदान किया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री धोटे के निर्देशन में जिले में 'रक्तदान-जीवनदान' अभियान को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि आपात स्थिति में किसी भी जरूरतमंद को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।

सहायक संचालक श्री वासनिक ने श्री यादव के इस स्वैच्छिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि विभाग के युवा कर्मचारियों का यह उत्साह समाज के अन्य वर्गों के लिए भी प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवक न केवल प्रशासन और जनता के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं, बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

रक्तदान के पश्चात श्री यादव ने कहा कि कलेक्टर श्री धोटे, सहायक संचालक श्री वासनिक और योगेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में उन्हें सदैव जनसेवा के लिए प्रेरणा मिलती है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से रक्तदान करें, क्योंकि यह न केवल स्वास्थ्य के लिए बेहतर है बल्कि किसी का जीवन बचाने का सबसे सशक्त माध्यम भी है। इस दौरान श्री कृष्णा साहू, देवेंद्र चौधरी उपस्थित थे।

ऑन-जॉब ट्रेनिंग के तहत वोकेशनल ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

*** छात्राओं को मिला आत्मनिर्भर बनने का अवसर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/बम्हनीबंजर

नगर में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑन-जॉब ट्रेनिंग के तहत वोकेशनल ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बम्हनीबंजर की छात्राओं को स्थानीय लवली ब्यूटी पार्लर में ब्यूटी एवं वेलनेस से जुड़ा व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। *प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को ब्यूटी पार्लर से संबंधित विभिन्न तकनीकों का अभ्यास कराया गया, जिसमें थ्रेडिंग, फेशियल, वैक्सिंग, हेयर कटिंग, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप, मेंहदी एवं स्किन केयर जैसी महत्वपूर्ण विधाएं शामिल हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को कौशलयुक्त बनाकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षकों ने बताया कि वर्तमान समय में ब्यूटी एवं वेलनेस क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रतिभागी स्वयं का ब्यूटी पार्लर शुरू कर सकती हैं या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में नौकरी प्राप्त कर सकती हैं यह पहल कौशल विकास और रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।

जहरमऊ में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव व महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

मण्डला। मंडला जिले के नैनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत जहरमऊ में 2 मई को कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के साथ "हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन" योजना अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक श्रीमती निधि उईके द्वारा किया गया। सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें लाड़ली लक्ष्मी योजना की जानकारी देते हुए मेधावी बालिकाओं को आश्वासन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही "एक पेड़ लाड़ली के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया।

योग शिविर | **2 मई 2026 पतंजलि पीठ मंडला इकाई के माध्यम से प्रारंभ।**

आयुर्वेदिक चिकित्सालय द्वारा योग शिविर का आयोजन

*** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित शिविर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शासकीय जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय मंडला के द्वारा शासन से प्राप्त निर्देश अनुसार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व पतंजलि पीठ इकाई मंडल के सहयोग से 2 मई 2026 को माहिष्मती घाट मंडला में प्रातः 6:00 बजे से योग शिविर प्रारंभ किया गया है 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (International Yoga Day) से पहले पतंजलि योगपीठ मंडला इकाई प्रमुख बाली शर्मा, उनके सहयोगी राकेश गुप्ता, संपत श्रीवास, विनोद पटेल 'राम गोपाल पटेल' आर पी उपाध्याय, राजेंद्र सोनी, रामकुमार साहू, वीरेंद्र चौरसिया, श्याम श्रीवास एवं अरविंद अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया है, जिसमें योग के पारंपरिक और वैज्ञानिक रूप का अभ्यास कराया जा रहा है। इन सत्रों में मुख्य रूप से अष्टांग योग (आसन, प्राणायाम, ध्यान) और यौगिक सूक्ष्म व्यायाम शामिल होते हैं जो शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व पतंजलि के प्रमुख योगाभ्यासः योग दिवस से पहले पतंजलि योगपीठ में सम्मिलित लोगों के साथ विशेष योगाभ्यास का अभ्यास जिसमें आसन और प्राणायाम पर ध्यान केंद्रित होता है।अष्टांग योगः पतंजलि के योग सूत्र पर आधारित, यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम से मन व शरीर को नियंत्रित करने सूक्ष्म व्यायाम, शवासन, भुजंगासन, सूर्य नमस्कार और भ्रामरी प्राणायाम जैसी मुख्य क्रियाओ का अभ्यास कराया जा रहा हैं। इन अभ्यासों का उद्देश्य योग के माध्यम से शरीर को निरोगी बनाना और मन को शांत करके आत्म-साक्षात्कार की ओर ले जाना है। योगाभ्यास के मुख्य अंगःआसनः शरीर को स्थिर और आरामदायक स्थिति में रखना। प्राणायामः श्वास नियंत्रण के माध्यम से प्राण ऊर्जा को बढ़ाना। ध्यानः मन को एकाग्र करना। पतंजलि पीठ मंडला इकाई का यह प्रयास मंडला एवं विश्व स्तर पर योग के पारंपरिक महत्व को फिर से स्थापित करने और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करने का एक बड़ा माध्यम है।

ऑपरेशन मुस्कान में मंडला पुलिस की बड़ी सफलता, 52 गुमशुदा बच्चे सकुशल दस्तयाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मुस्कान अभियान बना परिवारों की खुशियों का कारण, मंडला पुलिस ने 52 बच्चों को मिलाया परिजनों से महिला सुरक्षा शाखा, मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय द्वारा दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक प्रदेशव्यापी "ऑपरेशन मुस्कान" अभियान संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की सुरक्षित दस्तयाबी, बाल तस्करी की रोकथाम तथा उन्हें पुनः परिवार से मिलाना रहा।

पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के नेतृत्व में मंडला पुलिस ने अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करते हुए 120.93 प्रतिशत रिकवरी रेट प्राप्त किया, जो जिले के लिए बड़ी उपलब्धि रही। अभियान की मॉनिटरिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं उप पुलिस अधीक्षक सतीश कुमार चतुर्वेदी द्वारा लगातार की गई।

अभियान के दौरान मंडला जिले से 02 बालक एवं 50 बालिकाओं सहित कुल 52 गुमशुदा बच्चों को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाया गया। इनमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, हरियाणा, बिहार एवं कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों से भी बच्चों को खोजकर सुरक्षित वापस लाया गया।

अभियान में थाना कोतवाली, बम्हनी, बिछिया, घुघरी, बीजाडांडी, नैनपुर, मोहगांव, निवास, मोतीनाला, टिकरिया एवं खटिया थाना पुलिस की विशेष टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, निर्माण स्थलों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार सर्चिंग एवं सत्यापन कार्रवाई की गई।

मंडला पुलिस की इस सफलता ने न केवल गुमशुदा बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने का कार्य किया, बल्कि बाल सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली को भी प्रदर्शित किया।

फुटपाथ पर सज रही दुकानों से प्रभावित हो रही यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि स्थानीय झंडा चौक से लेकर सब्जी मंडी तक एवं झंडा चौके से लेकर पुरानी पुलिस चौकी तक सड़कों कें किनारे बने फुटपाथ पर दुकानें सजना आम होता जा रहा है, इन मार्गो में सड़क के किनारे का भाग सज रही दुकानों के चलते अतिक्रमण की चपेट में आ रहा है। ज्ञातव्य हो कि वैवाहिक कार्यक्रमो के चलते दुकानदारों में ग्राहकों को लुभाने की होड़ सी लगी हुई है, जिस कारण वे अपनी दुकानों को बाहर की ओर लगाना पसंद कर रहे है, दुकानदारों की बिक्री की जाने वाली समग्री फुटपाथ पर सजने लगी है, नगर के ह्रदय स्थल झंडा चौक, शिवालय चौक, श्याम टाकीज रोड जाने वाले मार्ग पर इस तरह दुकानों के सामनें रखी जाने वाली सामग्री रोड पर रखना आम रिवाज बन चुका है। क्योंकि दुकानदार अपनी दुकान को अलग अलग दिखाने की चाहत में दुकान के अंदर रखी हुई सामग्रियों को बाहर निकाल कर रख रहे है, ताकि उपभोक्ता आकर्षित होकर सामग्री को क्रय कर सके। इस तरह बाहर रखी हुई सामग्रियां जहां एक ओर ग्राहकों कों आकर्षित अवश्य कर रही है वही सड़कों पर यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रही है। वही दूसरी ओर कुछ हाथ ठेलों पर सामन बेचने वाले जिसमें प्रमुख रूप से फल विक्रेताओं द्वारा पूर्णरूप से मुख्य सड़क पर अपना कब्जा जमा लिया गया है। यह मार्ग नगर का सबसे व्यस्तम क्षेत्र होने के साथ साथ नगर का मुख्य सड़क मार्ग भी है। इस तरह की आवो हवा में राहगीरों को गुजरने में कठिनाईयों के साथ मार्ग को तय करना पड़ रहा है, वर्तमान परिवेश में जहां वाहनों में वेतहाशा वृद्धि हुई है व नगर में दौड रहे दो पाहिया वाहन चार पाहिया वाहनो में इजाफा होने के साथ साथ इस सड़क पर पैदल चलने वाले राहगीरों को चलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वही पैदल चलने वालों के लिए भी इस व्यस्तम सड़क मार्ग पर चलना दूभर हो रहा है। इस अव्यवस्था के चलते पैदल चलने वाले लोगो को हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दुकान संचालकों की मनमानी से वाहनो से सड़क पर निकालने वाले लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है दुकानों के सामने रखा हुआ सामान दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है..? नगर के इस भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र पर छुट पुट बारदातें सामने आती रहती है वही शाम के वक्त यहां के हालत और भी बत्तर हो जाते है, जिस कारण शाम के समय सडकों पर भारी भीड़ देखी जा रही है वही दुकानदारों की मनमानी के चलते सामने रखी समग्रियां वाहनों को निकलने मे परेशानी पेदा कर रहा है,उल्लेखनीय है कि आने वाले तेज धूप के समय में लोग सुबह से ही अपने काम काज निपटाते है, यदि समय रहते नगर की सड़कों पर दिनों दिन बढ़ रही अतिक्रमण पर रोक नही लगी तो सड़के दुकानों में तब्दील हो जावेगी।

चार साल पहले बनी हुई भौरझिर से घघरौला डामर सड़क पर निकले गड्ढे गुणवत्ता की कहानी कर रही उजागर, सच्चाई छिपाने लगाये थेगरों ने भी साथ छोड़कर खोल दी पोल...?

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा गांव गांव पक्की सड़को कि निर्माण को लेकर हर वर्ष इस सोच के चलते करोड़ो रूपया खर्च किया जाता है कि गांव गांव पक्की सड़को का निर्माण होने से जहां ग्रामीणों को आने जाने में सुविधा होगी तो दूसरी ओर ग्रामीण बेरोजगार युवा शहर से जुडने के कारण रोजगार स्थापित कर लेगे। मगर इस सोच को निश्चित तौर से सरकारी धन की होली खेलने वाले अधिकारियों से लेकर निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों द्वारा किस तरह ग्रहण लगाया जाता है कि लाखों रूपया की लागत से बनाई जाने वाली यह सड़क जहां चंद दिनों की मेहमान साबित होने से नही चूक पाती है। वही दूसरी ओर गांवों में जिस तरह गुणवत्ता को दर किनार करते हुये सड़को का निर्माण कार्य किया जाता है उसे जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा आंखे बंद करते हुये पास किये जाने का परिणाम है कि सड़क निर्माण के नाम पर शासन की राशि की खुलेआम होली खेलते हुये दिखाई देने से नही चूक पाती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम भौरझिर से ग्राम घघरौला पटना तक बनी हुई डामरीकृत सड़क को देखते हुये जान पड़ रह है..? बताया जाता है कि इस सड़क का निर्माण कार्य कुछ वर्ष पहले हुआ था। मगर अपने निर्माण के चंद दिनों के उपरांत सड़क टूट जाने की सच्चाई को हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर किये जाने के बाद इस सड़क के मजबूती करण के नाम पर राशि स्वीकृत होने के बाद पुनः इस सड़क का निर्माण लगभग चार साल पहले किया गया था। खैर मौके पर लगा हुआ वोर्ड इस सड़क निर्माण की सच्चाई को लेकर कुछ और ही बता रहा है...? मगर ग्रामीणों की माने तो लगभग तीन चार

साल पहले ग्राम भौरझिर से घघरौला तक डमरीकृत सड़क का निर्माण किया गया है। इस तरह इस सड़क के निर्माण को चंद वर्ष ही निकल पाये थे और सड़क का टूटना शुरू हो जाने के कारण एक बार फिर गुणवत्ता की सच्चाई उजागर होने के चलते निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा अपनी सच्चाई छिपाने के लिये थेगरा लगा दिये गये थें। मगर अब हाल यह बना हुआ है कि उन थेगरों ने भी साथ छोड़ते हुये गुणवत्ता की कहानी को खुलेआम वया करने से नही चूक रहे है..? सही मायने में देखा जावे तो अपने मात्र चंद जन्म दिन मनाने वाली इस सड़क पूर्णरूप से दुर्दशा की शिकार होने के चलते जहां गड्ढो में तब्दील होने के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। अभी हाल यह बना हुआ है कि आये दिन वाहन चालक गिरते हुये सफर करते हुये देखे जाते है। वही आने वाले बारिश के सीजन में क्या स्थिति बनेगी इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है...? इस तरह सड़क निर्माण के दौरान निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस तरह गुणवत्ता को दर किनार करते हुये जिस तरह इस सड़क का निर्माण कार्य किया गया है उसका परिणाम है कि सड़क चंद दिनों में ही उखड़ना शुरू हो गया है। मगर इस में हैरत की बात है कि इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी उनकी कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुये सरकार द्वारा जिस तरह ग्रामीणों को पक्की सड़को की सौगात प्रदान करने का जो सपना संजोया गया है उसे ग्रहण लगने से नही चूक पा रहा है? इस तरह अपने निर्माण के चंद माह उपरांत टूटना शुरू हो चुकी इस सड़क की निष्ठावान अधिकारियों द्वारा पूर्ण निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी? मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब छोटे से लेकर बड़े अधिकारी इस तरह होने वाले गफलतबाजी की गंगा में सोंझआई का गोता लगा रहे होगे तो फिर ईमानदारी से जांच की उम्मीद कैसी की जा सकती है..? यह बात अलग है कि किसी भी सरकारी कार्य को पूरा निजी कंपनी द्वारा ठेके पर लेकर किया जाता है और निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की सोच रहती है कि जिस निर्माण कार्य का उसने ठेका लिया गया है उसमें उसे अधिक से अधिक लाभ होना चाहिये। मगर इस सब पर निगरानी रखने के लिये प्रशासनिक अधिकारी होते है उन्हीं की देखरेख में सरकारी निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाते है। नियम के अनुसार किसी भी शासकीय निर्माण कार्य को जब तक संबंधित विभाग का जिम्मेदार अधिकारी अपनी ओर से निर्माण संबंधी संतुष्टि प्रमाण पत्र नही देता है तब तक उस निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को भुगतान नही होता है। मगर गफलतबाजी की गंगा में जब संबंधित विभाग के अधिकारी निर्माण कार्य करने वाली कंपनी के साथ मिलकर गोता लगा रहे होते है तो फिर किसी भी निर्माण कार्य में गुणवत्ता की उम्मीद करना कहा तक सफल हो सकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम भौरझिर से घघरौला पटना के बीच लगभग चार साल पहले बनी हुई डामरीकृत सड़क की सच्चाई को देखते हुये जान पड़ रहा है..? इस तरह अपने निर्माण के चंद महिनों उपरांत टूटना शुरू हो चुकी इस सड़क को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा जिला कलेक्टर से निष्ठा के साथ जांच कराये जाने की मांग उठाई जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि निर्माण के चंद माह बाद टूटना शुरू हो चुकी इस सड़क की जांच होती है तो निश्चित तौर से अनेक जिम्मेदार अधिकारी बेनकाब होने से नही बच पायेगे?

इनर व्हील क्लब के तत्वाधान में आयोजित हुआ दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समाज सेवी संस्थाओं व संगठनों द्वारा आमजन को राहत पहुंचाने की सोच के चलते आये दिन निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस नगर के अशोका पैलेस में नगर के इनर व्हील क्लब के तत्वाधान में दो दिवसीय निःशुल्क शाश्वत चिकित्सा शिविर का आयोजन बीते हुये 2 एवं 3 मई को किया गया। इस शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा द्वारा किया गया। बताया जाता है कि आयोजित शिविर में लखनऊ से पधारे बाबा स्वामी भक्ति प्रकाश एवं मोहन जोशी द्वारा लगातार दो दिनों में लगभग 200 से अधिक मरीजों का परीक्षण किया। इस दौरान कुछ मरीजो को जैसे की रागनी जैन, रवीना कठल, मंजू जैन, खुशी जैन को तो तत्काल लाभ मिल गया। वही बाड़मेर राजस्थान के स्वामी सनातन महाराज ने भी अपनी मां के घुटनों के इलाज के लिए चिकित्सको के पास लेकर आए थे उन्हें भी बहुत लाभ बताया जा रहा है। क्लब की अध्यक्षा श्रीमती अंकिता जैन ने बाबा श्री का परिचय देते हुए बताया कि बाबा श्री को मानद डॉक्टर उपाधि व भारत गौरव अवार्ड सहित देवभूमि राष्ट्रीय रत्न अवार्ड तथा आयुष रत्न अवार्ड से सम्मानित हैं। वह लगभग 30 वर्षों से चिकित्सा सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। गुरुजी अर्थबवेद आधारित शाश्वत चिकित्सा करते हैं। इतना ही नही उनके देश के लखनऊ, दिल्ली, पुणे में भी चिकित्सा केंद्र चल रहे हैं। बाबा श्री के ने इस चिकित्सा पद्धति के बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि यह चिकित्सा रोग के मूल कारण पर कार्य करने वाली है। यह रोगों के लक्षणों को नहीं अपितु रोग को ही जड़ से समाप्त करती है। इस चिकित्सा से असाध्य रोगो के मरीजों को भी तत्काल आराम लगता है। इस शिविर के आयोजन में क्लब की अध्यक्ष श्रीमती अंकिता जैन एवं श्रीमती खुशी जैन, श्रीमती विशाखा कठल, श्रीमती वंदना राठी, श्रीमती सुरभि जैन, श्रीमती स्वाति डागा, श्रीमती आरोही जैन का शिविर को संपन्न कराने में विशेष सहयोग रहा।

सांईखेड़ा क्षेत्र के वीरान इलाकों में देर रात तक होने वाली शराबखोरी के चलते बिगड़ रही कानून व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम है कि लोगों को गांव गांव जहां खुलेआम जहां बिक्री होते हुये देखने मिल रही है। इसी का परिणाम में है कि मैदानों से लेकर सरकारी भवनों में शराब पीने के अड्डा बनने के कारण अहाते के रूप में दिखाई देने से नही चूक रहे हे। वही दूसरी ओर जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े। मगर चाचा चौधरी की पुरानी यारी के चलते जहां मनमानी करने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक रहा है। इसी का परिणाम है कि सांईखेड़ा क्षेत्र में इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देख जा राकता है..? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर लेकर गांवों के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे ग्रामीण क्षेत्रों में वीयरवार न होने और अधिकांश स्कूलों से लेकर सरकारी भवनों सहित ढावों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों शराब खोरी करने से नही चूक रहे है। वही खुलेआम नगर के पास पास बने हुये ढ़ावों में देर रात तक शराब खोरी होने के नजारे देखने मिल रहे है..? पुलिस की उदासीनता के चलते सांईखेड़ा नगर के आलवा क्षेत्र में गांव गांव चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम है कि जहां कानून व्वस्था पटरी से उतरते हुये दिखाई देने लगी है। वही दूसरी ओर मादक पदार्थो के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये की जा रही कार्यवाही मात्र औपचारिकता के समान प्रतीत होने से नही चूक पा रही है। इस बात की सच्चाई बीते हुये दिनों पकड़े गये मादक पदार्थो के तस्करों के रूप में देखी जा सकती है। क्योंकि इस कार्यवाही की सच्चाई को लेकर क्षेत्र में अनेक प्रकार की चर्चासे सुनाई देने से नही चूक पा रही है..? सांईखेड़ा की सुरक्षा व्यवस्था की बागडोर के बदलाव के बाद अचानक अवैधानिक गतिविधियों में हुये इजाफा को लेकर लोगो का कहना है कि पुरानी यारि का परिणाम है...?

हूटर लगी गाडियों का खुलेआम हो रहा दुरूपयोग, प्रशासन के नजरअंदाज किये जाने के कारण हो रहे नगरवासी परेशान?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय नगर में आये दिन देखने मिल रहा है कि लोगों द्वारा जहां अपने वाहनों में मनमाने तौर से प्रशर हार्न लगाकर ध्वनि अधिनियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? बही दूसरी ओर अनेक लोगों द्वारा अपने चार पाहिया वाहनों में यातायात नियमों को दर किनार करते हुए हूटर लगाकर मनमानी पर उतारू देखे जा रहे है? मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि इस प्रकार से मनमान तौर से हूटरों का हो रहे दुरूउपयोग को लेकर स्थानीय शासन प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज कर रहा है, जिसके चलते नगर में अनेक वाहनों में खुलेआम हूटर देखने मिल सकते है, जबकि हूटर लगाने के लिए मा. न्यायालय व परिवहन विभाग द्वारा नियम कानून बनाये गये है, जिनकी खुलेआम आब्हेलना की जा रही है? वही वाहनों में हार्न लगाने के लिए भी लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है, लोगों के वाहनों में लगे हूटर व हार्नो से राहगीरों के लिए परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है। मासूम बच्चों सहित वृद्वजनों पर विपरित प्रभाव देखने मिल रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के कुछ नेताओं द्वारा भी अपने वाहनों में हूटर लगाकर नियमों की अनदेखी करते हुए आये दिन वाहनों के पीछे पुलिस सायरन वाला हूटर बजाकर रौब झाडा जाता है, और जब यह तेज हूटर रात के समय नगर में बजाया जाता है तो सोने वाले लोगों की नीद खराब हो जाती है, मगर धन्य है नगर का पुलिस प्रशासन जो आये दिन दुकानदारों सहित अन्य गरीब मजदूरों के बीच पहुंचकर उन्हे अपनी बर्दी की ताकत दिखाने के लिए तो हड़कता रहता है? मगर जिस प्रकार से लोगों द्वारा खुलेआम शासन के नियमों की अब्हेलना की जा रही है उनके खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही करने की हिम्मत नही करता है।

क्षेत्र की सड़कों पर किसी वाहन का नम्बर तो किसी वाहन के चैंचिस पर दौड़ रहे वाहन, प्रशासन बन अनजान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग के नाम पर जहां तहां कार्यवाही करते हुये देखी जा रही है। मगर जो वाहन क्षेत्र की सड़को पर धडल्ले से नियमों को दर किनार करते हुये दौड़ते हुये देखे जा रहे है उनकी अनदेखी पुलिस की कार्य प्रणाली को निश्चित तौर पर संदेह के घेरों में लाने से नही चुक पा रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय नगर के गाडरवारा बारहाबड़ा सहित अन्य मार्गो पर जिस प्रकार से मैजिक गाड़ियो को निमयों की अनदेखी करते हुये दौड़ते हुये देखा जा रहा है। वह आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रही है। क्योंकि इन मैजिक गाडियों को जब सड़को पर ओवर लोडिंग की स्थिति में दौड़ते हुये देखा जाता है तो हाल इस प्रकार से होता है कि जितनी सबारी गाड़ी के अंदर होती है कही उससे अधिक मैजिक गाड़ी पर बैठी हुई दिखाई देने से नही चूकती है। इतना ही नही इन वाहनों द्वारा शायद शासन के नियमों के पालन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन मार्गो पर सबारी लेकर दौड़ने वाले अनेक वाहनों की सच्चाई तो इस प्रकार से होती है कि किसी वाहन की नम्बर प्लेट होती है और किसी वाहन का चैचिस पर लगाते हुये नये वाहन का निर्माण करते हुये सभी माप दंडों को दर किनार करते हुये अपने स्वार्थ का खेल खेलने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, इस प्रकार से यातायात निमयों को दर किनार करते हुये दौड़ने वाले इन वाहनों को लेकर जिस प्रकार से पुलिस द्वारा अनदेखी की जा रही है वह निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना का

कारण बनने से नही चूक सकता है? यदि के अनेक मार्ग पर दौड़ने वाले इन वाहनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह वाहन निमयों को दर किनार करते हुये धडल्ले से चीचली व गाडरवारा पुलिस की आंखों के सामने से गुजरते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर अनेक वाहनों की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि न तो उनके पास सड़क पर दौड़ाने के लिये टैक्स भरा गया है और न ही वाहन का बीमा कराया गया है। इसके बाद भी

पुलिस द्वारा जिस प्रकार से इन वाहन मालिकों को आम लोगों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करने की जो छूट प्रदान की जा रही है। इस सच्चाई से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि प्रशासन में बैठे हुये अधिकारी ही किसी दिन कोई बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हो? यदि क्षेत्र की सड़को पर चलने वाले इन वाहनों की सूक्ष्मता के साथ जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी और वाहनों पर जो नम्बर प्लेटे लगी हुई पाई जावेगी वह निश्चित तौर से प्रशासन को हैरत में डालने से नही चूकेगी कि आखिर में वाहन मालिक है कौन?

आखिरकार खुलरी के लोगों को कब मिल पायेगी एटीएम की सौगात ....

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। जहां एक ओर शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार का प्रयास है कि हर व्यक्ति को लाभ बैक के माध्यम से प्राप्त हो जिसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके और हर व्यक्ति शासन की योजना का लाभ अपने खाते के माध्यम से ले सके। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि खुलरी क्षेत्र में स्थित बैक द्वारा अभी तक एटीएम की सुविधा प्रदान नही किये जाने के कारण लोगों को अपने खातों से राशि निकालने के लिए भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? गौर किया जावे तो खुलरी में स्थिति भारतीय स्टैट बैक शाखा के माध्यम से खुलरी के आलवा ग्राम भौरझिर, घघरोला, पटना, भूमिया ढ़ाना, पिठहरा, सूरना, मुडिया, लिंगा, बिलोनी, बेहरा, तिगुवा, करहैया, सलैया सहित अनेक गांवों के उपभोक्ताओं द्वारा जहां प्रतिदिन लेनदेन किया जाता है, वही दूसरी ओर अनेक ग्राम पंचायतों के खाते भी यही के बैक से संचालित हो रहे है, मगर बैक शाखा द्वारा अभी तक अपने उपभोक्ताओं को राशि निकालने के लिए एटीएम की स्थापना नही किये जाने की स्थिति में क्षेत्र के लोंगो को राशि निकालने के लिए भटकना पड़ता है। क्योंकि यदि किसी को अपनी राशि निकालना होता है तो वह सिर्फ बैक के कार्य दिवस व समय पर पहुंचता है तभी उसे राशि मिल पाती है, यदि अवकाश सहित अन्य समय किसी उपभोक्ता को राशि की जरूरत पड़ती है तो वह भटकने के लिए मजबूर देखा जाता है। इस स्थिति के चलते क्षेत्र की जनता द्वारा ग्राम खुलरी में एटीएम स्थापना की मांग करते हुए यह सुविधा शीघ्र शुरू करने की गुहार लगाई जा रही है।

बालश्रम कानून का कागजों पर पालन, यह योजना मात्र कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है...?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने मे जहां जिला प्रशासन नाकाम रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है? जबकि पूर्व मे कारखाना अधिनियम 1948, खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों,मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है? वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है जिसमें नेताओं से लेकर समाजसेवी संस्थाओं द्वारा मजदूरों व मासूमों के उद्वार हेतु बड़ी बड़ी बाते कही जाती है, मगर वह बाते मात्र उसी दिन तक ही सीमित रहे है? और यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो आजादी के बाद बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई, जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पेट भरने के लिए कचरा बीनना, सिर पर लकड़ी का गट्टा ढोना, होटलो मे कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है। वही जिले मे तमाम बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढती जा रही है। मगर इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालय मे बच्चों के सही आंकड़े तक मौजूद नही है। वही गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी हजारों बच्चों का स्कूल से नाता जुड़ नही पाया है, और उन्हे दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मेहनत मशक्कत करनी पड़ रही है। इस तरह जहां एक ओर शासन द्वारा साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते अनेक मासूम बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित दिखाई दे है। ग्रामीण अंचलों मे भोर मे उठना तथा अपने पेट की खातिर कुल्हाड़ी लेकर जंगल जाना लकड़ी काटना, भैस, गाय, बकरी चराना और रूपये कमाना जिंदगी बन गई है, इस प्रकार से शासन द्वारा करोडो की योजनाओं के बाद भी इन बेसहारा बच्चों के रहन सहन मे कोई बदलाब नही आ सका, इनका भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है, गरीबी और भुखमरी के चलते इन बच्चों के माता पिता चाहकर भी शिक्षा दीक्षा न दिलाकर मजदूरी करवाने को विवश है? क्या करे गरीबी अभिशाप बन गई है बच्चों का सहारा लेना जरूरी भी और मजबूरी भी बन गया है।

पंचायतों के विकास कार्यों के नाम शासन को लग रहा चूना, अधिकारियों को मिल रहा प्रभावशाली वरिष्ठों का संरक्षण?

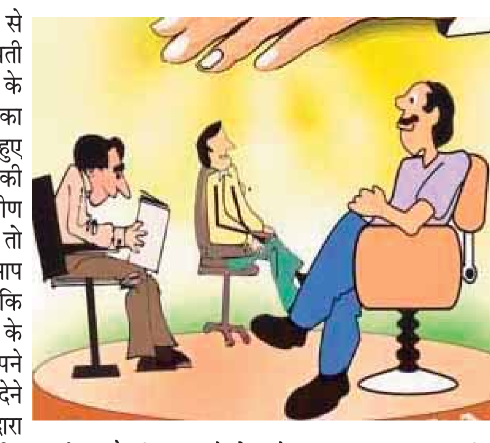

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से सरकार द्वारा गांवों की सूरत बदलने के लिए पंचायती राज व्यवस्था लागू करके इसकी सफलता के लगातार प्रयास तो किये जा रहे है, मगर पंचायतों का विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित होते हुए दिखाई देने के साथ उनका कार्यकाल समाप्ति की ओर पहुंचते हुये दिखाई देने लगा है? जब ग्रामीण अंचलों की की ओर रूख किया जाता हो तो पंचायती राज के विकास कार्यो को पोल अपने आप की खुलते हुए दिखाई देने लगती है? क्योंकि पंचातयों में हुये विकास कार्य उसी सरपंच के कार्यकाल को पूरा नही हो पाने के पहले ही अपने गुणवत्ता की सच्चाई बताते हुए टूटते हुए दिखाई देने से नही चूक रहा है? यदि पंचायतों में शासन द्वारा विकास के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायत जहां धन राशि के आभाव से जूझ रही है तो अनेक पंचायत इस प्रकार की भी देखी जा रहा है जिनमें में प्रभावशाली वरिष्ठ अधिकारियों की कृपा दृष्टि होने के चलते उन पंचायतों को अनाप शनाप राशि आवंटित हो जाती है और पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उस राशि से जिस प्रकार का विकास किया जाता है उस विकास कार्य की उम्र सिर्फ पत्थरों में नाम लिखे जाने तक ही बनी हुई दिखाई देते हुए देखी जा रही है? इतना रही नही जिन पंचायतों को मनमानी धनराशि प्राप्त हो जाती है है उनके अधिकांश पंचायत जनप्रतिनिधियों ने ग्राम के समग्र विकास में रूचि न लेते हुए केवल अपने परिजनों, नजदीकी नाते रिश्तेदारों को उपकृत करने का ही काम किया जिसके चलते पंचायत का विकास कम और पंचायत प्रतिनिधियों का विकास होते हुए ज्यादा दिखाई दे रहा है, इस प्रकार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचातयों द्वारा जिस प्रकार से पूर्व के समय में तालाब सड़के आदि बनवाने कार्य किया गया है उन कार्यो में सिर्फ शासन की राशि बर्बाद होने के नजारे ही दिखाई पड़ रहे है? क्योंकि अनेक पंचायतों द्वारा ऐसी जगहों पर तालाब खुदवाये गये है जहाँ गर्मी तो ठीक बरसात में भी पानी नहीं रूकता क्योंकि यह स्थल ऊँचाई वाले क्षेत्र में हैं, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि राजीव गाँधी जलग्रहण योजना के तहत जल का स्तर ऊँचा उठाने में भी कुछ इसी प्रकार की सच्चाई देखने मिलने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इस प्रकार के विकास कार्यो को पास करते हुए पंचायतों को ओके रिर्पोट पेश करना जहां अधिकारियों की कार्य शैली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाते हुए जान पड़ रहा है।

भीषण गर्मी में बेजुबानों के लिए वरदान बने गौ सेवक, नगरभर में रखे पानी कुंडः नंदी गौ जीव सेवा आश्रय शहपुरा की अनूठी पहल, लगातार तीसरे वर्ष कर रहे जीव सेवा का कार्य

शहपुरा - गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। तेज धूप और तपती सड़कों के बीच जहां आमजन परेशान हैं, वहीं बेजुबान पशु-पक्षियों के सामने पानी की सबसे बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। ऐसे कठिन समय में शहपुरा नगर के नंदी गौ जीव सेवा आश्रय के गो सेवक मानवता और जीव दया की मिसाल पेश कर रहे हैं। संस्था के सदस्यों द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर पानी कुंड रखकर उनमें नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था की जा रही है, जिससे आवारा गौवंश, कुत्ते, पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं को राहत मिल सके। नगर में बढ़ती गर्मी को देखते हुए गो सेवकों ने इस वर्ष भी सेवा अभियान शुरू किया है। संस्था के सदस्य सुबह और शाम अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर पानी कुंडों में स्वच्छ पानी भर रहे हैं। इस पहल से सड़कों पर घूमने वाले पशुओं को पानी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ रहा है। वहीं पेड़ों और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले पक्षी भी इन जल कुंडों से अपनी प्यास बुझा रहे हैं। नंदी गौ जीव सेवा आश्रय के सदस्यों ने बताया कि यह सेवा कार्य कोई नया नहीं है, बल्कि पिछले दो से तीन वर्षों से लगातार किया जा रहा है। हर वर्ष गर्मी के मौसम में संस्था द्वारा नगर में कई स्थानों पर पानी कुंड रखे जाते हैं और उनकी नियमित देखरेख भी की जाती है। उनका कहना है कि जीव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और बेजुबानों की सेवा करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। नगरवासियों ने भी इस सराहनीय पहल की खुले दिल से प्रशंसा की है। लोगों का कहना है कि जहां एक ओर कई लोग गर्मी में केवल अपनी सुविधा देखते हैं, वहीं गो सेवक निस्वार्थ भाव से बेजुबानों के लिए काम कर रहे हैं। यह कार्य समाज के लिए प्रेरणा है और अन्य लोगों को भी आगे आकर ऐसे प्रयासों में भागीदारी करनी चाहिए। भीषण गर्मी के इस दौर में नंदी गौ जीव सेवा आश्रय शहपुरा का यह सेवा अभियान न केवल पशु-पक्षियों के लिए राहत बना है, बल्कि समाज को संवेदनशीलता और जीव दया का संदेश भी दे रहा है।

नव नियुक्त किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष का शहपुरा में भव्य स्वागत

शहपुरा – सोमवार को भारतीय जनता पार्टी मण्डल शहपुरा द्वारा आवश्यक कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान मण्डल शहपुरा के कार्यकर्ताओं ने नव नियुक्त किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष घनश्याम कछवाहा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए संगठन हित में कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर भाजपा मण्डल शहपुरा प्रभारी दुर्गेश साहू, जिला उपाध्यक्ष ज्ञानदीप त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम गुप्ता, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला संयोजक डॉ. श्वेता जैन, जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो, मण्डल अध्यक्ष भजन चक्रवर्ती, पार्षद अनूप गुप्ता, पार्षद सुरेंद्र साहू, महामंत्री नितिन गुप्ता, राहुल रैकवार, पवन झारिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और संगठन विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश देखने को मिला।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में CMCLDP (BSW, MSW) छात्र, छात्राओं का हुआ विदाई समारोह

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट सतना द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य बैचलर एवं मास्टर डिग्री अंतर्गत बीएसडब्लू फाइनल एवं एमएसडब्ल्यू फाइनल के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. स्वर्णिम पटेल एवं विकास खंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे म. प्र. जन अभियान परिषद एवं **cmcldp** परामर्शदाता लाल सिंह ठाकुर, मनोज कुमार तंतुवाय, तिलक सिंह सैयाम, राधे श्याम बनवासी, नीतु मरकाम के उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुए। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के तैलीय चित्र में दीप प्रज्वलित व फूल माला तथा पूजन कर किया गया। इसके बाद सभी अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत वंदन किया गया। तदृउपरान्त अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में समस्त छात्र-छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए समाज सेवा करने को कहा गया। वहीं पर छात्र, छात्राओं ने संस्कृति कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। सीनियर छात्र, छात्राओं ने अपने अपने अनुभव साझा किए। सभी परामर्शदाताओं ने सीनियर छात्र, छात्राओं की उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गई। इसके पश्चात जल गंगा संवर्धन अभियान द्वितीय चरण चरण में जल संरक्षण को लेकर महाविद्यालय के नजदीक बने कंट्राल ट्रेंच की साफ सफाई एवं आम के पौधा में वॉटर टपक ड्रिप विधि से पौधों में बोतल में पानी बोतल रोपित कर कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के आयोजक **cmcldp** उपस्थित छात्र, छात्राओं **Bsw**, महेश्वरी, राज कुमारी यादव, लीलावती, शिवानी ठाकुर, हृषिता, मीना वालरे, उमावती, सतीश कुमार, प्रशांत कुमार, **MSW** पूनम गोस्वामी, काजल गुप्ता, अर्चना पाण्डेय, नीता मरकाम, ज्योति मानिकपुरी, सरोज परस्ते, आशा बनवासी, नरेंद्र कुमार, आशुतोष जूनियर छात्र, छात्राओं ने सराहनीय कार्य किया।

नर्मदा स्वच्छता अभियान में उमड़ा जनसैलाब कलेक्टर ने खुद संभाली सफाई की कमान

डिंडौरी। डिंडौरी में नर्मदा स्वच्छता को लेकर एक प्रेरणादायक पहल सामने आई है जहां मैया अभियान के तहत नर्मदा तट पर भव्य सफाई अभियान चलाया गया। शंकर घाट पर आयोजित इस अभियान में अधिकारी कर्मचारी और आम नागरिकों ने मिलकर श्रमदान किया और स्वच्छता का संदेश दिया खास बात यह रही कि कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया स्वयं टोकरी उठाकर सफाई करती नजर आईं।

रविवार को शंकर घाट पर नर्मदा सफाई अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोग जुटे मैया अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर स्थानीय नागरिकों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया किसी ने झाड़ू लगाई किसी ने कचरा उठाया और कुछ लोग नदी में उतरकर गंदगी बाहर निकालते दिखे।इस अवसर पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने स्वयं श्रमदान कर लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया उन्होंने नागरिकों से शहर और गांव की साफ सफाई में सक्रिय भागीदारी निभाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की।

कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना है ताकि मां नर्मदा हमेशा स्वच्छ निर्मल और अविरल बनी रहें।अभियान में एसडीएम राम बाबू देवांगन संयुक्त कलेक्टर भारती मरावी और सीएमओ अमित तिवारी सहित कई अधिकारी कर्मचारी और स्वयंसेवकों ने भाग लिया।नर्मदा स्वच्छता के लिए प्रशासन और जनता की यह साझेदारी डिंडौरी में जनभागीदारी आधारित विकास और पर्यावरण संरक्षण की एक मिसाल बनती जा रही है।

संयुक्त अभियान में ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ सख्त वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की दी हिदायत

डिंडौरी ।जिले के शहपुरा और विक्रमपुर क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग आरटीओ ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया।अभियान के दौरान वाहन चालकों और वाहन मालिकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने ओवरलोड वाहन न चलाने और सभी जरूरी दस्तावेज वैध तथा अद्यतन रखने की समझाइश दी गई।संयुक्त टीम ने बताया कि ओवरलोड वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है इसके साथ ही फिटनेस प्रमाण पत्र बीमा पंजीयन ड्राइविंग लाइसेंस और परमिट जैसे आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना सभी वाहन चालकों की जिम्मेदारी है भविष्य में भी इस तरह की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डिंडौरी में बाल विवाह पर प्रशासन की सख्ती, समझाइश देकर रुकवाया गया नाबालिग का विवाह

डिंडौरी। जिले में बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम रुसा रैयत में एक नाबालिग बालिका का विवाह रुकवा दिया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग, वन स्टॉप सेंटर तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया और समझाइश देकर विवाह रुकवाया।

प्रशासन को फोन के माध्यम से सूचना मिली थी कि थाना डिंडौरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रुसा रैयत में 17 वर्ष 10 माह आयु की बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दस्तावेजों की जांच की। जांच में बालिका की आयु 18 वर्ष से कम पाई गई, जिसके बाद टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विवाह रुकवा दिया।टीम ने परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए चेतावनी दी कि यदि नाबालिग का विवाह कराया जाता है तो इसमें शामिल प्रत्येक बालिग व्यक्ति को एक वर्ष तक का कारावास एवं दो लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।प्रशासन ने परिजनों को समझाइश दी कि बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही किया जाए। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

गाडरवारा सड़क मार्ग पर मुरम की जगह डाली जा रही पीली मिट्टी

तेंदूखेड़ा

इन दिनों तेंदूखेड़ा गाडरवारा सड़क मार्ग पर मनमानियों का दौर जारी है। जो आने वाले समय में लोगों को दुख का कारण बनेगा। मुख्य सड़क मार्ग पर साइड सोल्डरों में जहां मुरम डाली जानी चाहिए थी वहीं पीली मिट्टी डाली जा रही है जो आने वाले बरसात के दिनों में बाहन चालकों को परेशानी का कारण बनेगी।मोदी पेट्रोल पंप के आगे से सत्संग भवन तक पीली मिट्टी फैलाई जा रही है। सड़क मार्ग काफी सकरा है और भारी वाहनों की आवाजाही दिन रात बनी रहती है। वाहनों की क्रासिंग के समय छोटे बाहन चालक फिसलकर गिरने की आशंका बनीं हुई है।समय रहते तत्काल प्रभाव से रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में भीषण सड़क दुघर्टनायें बढ़ेगी।इसी सड़क मार्ग पर ठेकेदार की मनमानी के चलते विद्युत खंबे मनमाने तरीके से गाढ़े जा रहे हैं।जो भविष्य में दुख का कारण बनेगा।

पूर्व न्यायाधीश ने सड़क सुरक्षा समिति की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एवं सुप्रीम कोर्ट सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटना होना चिंता का विषय है, जिसे रोकना जरूरी है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं से लोगों का जीवन बचाया जा सके। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में विश्व में भारत की स्थिति और देश में प्रदेश व जिले की स्थिति के बारे में बताया। सड़क दुर्घटना के आकड़े न बढ़े, इसलिए सड़क सुरक्षा के अभियान को अपनाना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एवं सुप्रीम कोर्ट सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष अभय मनोहर सप्रे ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। उन्होंने बैठक में ब्लैक स्पॉट, गति सीमा, यातायात नियमों का पालन, जागरूकता अभियान, मार्ग के संकेत, जेब्रा क्रॉसिंग, ब्रेकर तथा डिवाइडर सहित सड़क जागरूकता अभियान आदि के संबंध में चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी और पुलिस विभाग का अमला मौजूद था। पूर्व न्यायाधीश मनोहर सप्रे ने कहा कि जिले में

सड़क सुरक्षा और ट्रेफिक सुधार के लिए भरपूर प्रयास हो। दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा यातायात प्रबंधन को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आवश्यक सुधार करने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों एवं नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय आने-जाने में सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट और दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। पूर्व न्यायाधीश श्री मनोहर सप्रे ने जिले में पिछले 5 साल में हुई सड़क दुर्घटनाओं, ब्लैक स्पॉट चिन्हांकन एवं उनमें सुधार कार्यों, जनजागरूकता अभियानों और अन्य नवाचारों की समीक्षा की। उन्होंने सड़कों के गड्ढों को भरने व सड़कों के किनारे सांकेतिक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने राहवीर योजना एवं हिट एंड रन मोटरयान दुर्घटना, पीड़ित प्रतिकार योजना 2022 के तहत सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत करने को कहा। बैठक में सड़क दुर्घटना में दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन एवं अन्य वाहनों से सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु के संबंध में समीक्षा की गई। पूर्व न्यायाधीश मनोहर सप्रे ने कहा कि वाहनों के फिटनेस, बीमा सहित अन्य दस्तावेजों की नियमित रूप से जांच की जाए। सड़कों पर मानक गति सीमा का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने सड़कों में आवारा घूमने वाले पशुओं को गौशाला भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के संबंध में स्कूल और कॉलेज में जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ओव्हर लोडिंग वाहनों पर कार्यवाही की जाए, नशामुक्ति अभियान चलाया जाए, शहर को साफ-सुथरा और कचरा मुक्त रखा जाए, सड़कों के गड्ढों का भराव किया जाए जिससे सड़क दुर्घटना की स्थिति न बने।

बैशाख पूर्णिमा के पावन पर्व पर किया गया माँ नर्मदा तट में रेवा सेवा समागम का आयोजन

हरिभूमि न्युज अनूपपुर।

मुख्यमंत्री के आह्वान पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नर्मदा तटीय जिले के नर्मदा तटीय ग्रामो में घाट समागम का आयोजन स्वैच्छिकता, सामूहिकता के आधार पर किया गया। यह कार्यक्रम जनसहभागिता से क्षेत्र के स्थानीय लोगों के साथ संवाद स्थापित करने एवं उन्हें नर्मदा संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मई 2026 से मार्च 2027 तक प्रत्येक माह की पूर्णिमा को माँ नर्मदा के उत्तर एवं दक्षिणी तट के अलग-अलग घाट पर समानांतर आयोजित किये जायेगे। अतः

रेवा सेवा समागम (घाट उत्सव) का आयोजन जिले में बैशाख पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदा तट शीशम घाट बसंतपुर, बेलघाट पड़रिया, हर्राटोला बरसोत घाट में आयोजित किया गया जिसके तहत माँ नर्मदा के तटों पर सामूहिक स्वच्छता श्रमदान, संगोष्ठी, अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की नवांकुर, प्रस्फुटन समिति के सदस्य व सीएमसीएलडीपी छात्रों स्थानीय ग्रामीणों ने सहभागिता की।

विपरीत परिस्थितियों से समाधान पाने के लिए टेली मानस में कर सकते हैं कॉल

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं मनोरोग चिकित्सक डॉ.व्ही.एस . चंदेल ने कहा है कि उदासी, चिंता, तनाव, नींद की समस्या, नशे से संबंधित समस्या, रिश्तो में परेशानी, किशोर किशोरियों में परीक्षा के परिणाम का तनाव, परिवार से जुड़ी समस्याएं, याददाश्त से जुड़े मुद्दे, पैसों की चिंता या अन्य आत्महत्या से जुड़े विचार मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसी विपरीत परिस्थितियों से समाधान पाने के लिए अब टैली मानस को कॉल किया जा सकता है।उन्होने बताया कि यह टोल फ्री नंबर 24 घंटे उपलब्ध है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए जिला चिकित्सालय में मनकक्ष स्थापित किया गया है जहां पर परामर्शदाताओं के द्वारा परामर्श सुविधा प्रदान की जा रही है, साथ ही टैली मानस टोल फ्री नंबर 14416 पर कॉल कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते है।

शराब व्यापार को लेकर अपहरण व हंगामा

दो घटनाओं के बाद आबकारी विभाग भूमिका पर संदेह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिले में शराब के व्यापार को लेकर विवाद सामने आ रहे है। इन विवादों के कारण आबकारी विभाग पर भी सवाल उठ रहे है। इन विवादों के बाद आबकारी विभाग द्वारा कोई ठोस जबाब नही दिया गया। आबकारी विभाग से संबंधित दो मामले मे चर्चाओं मे है जिसमें पहला मामला है शराब ठेकेदार का अपहरण करना तथा मारपीट करना वही दूसरा मामला है जिसे शराब ठेके के एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाना जिसे लेकर स्थानीय निवासियों द्वारा हंगामा कर बंद करने के मांग की गई और मौके पर पहुंचे अधिकारियों द्वारा शराब ठेके को बंद करा दिया। अब देखना होगा कि दोनों मामलों मे आबकारी विभाग पुलिस के साथ मिलकर क्या भूमिका निभाता है। फिलहाल आबकारी विभाग पर सवाल उठ रहे है जिनका जबाव नही कमल सका है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया है।

ठेकेदार का अपहरण व मापीट, मामला दर्ज

विगत दिवस ठेमी थाना अंतर्गत करकबेल में सरेराह गुंडागर्दी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक शराब कारोबारी के कार्यालय में घुसकर करीब 35 हमलावरों ने न केवल मारपीट की, बल्कि उसे अगवा कर सुनसान इलाके में ले जाकर अधमरा होने तक पीटा। प्रदीप ने आरोप लगाया कि हमले के दौरान उनके कार्यालय से नकदी भी गायब हुई है। इस पूरी साजिश के पीछे अवैध शराब कारोबार से जुड़े दीपक लोधी का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। मरणासन्न हालत में थाना परिसर के पास फेंककर फरार हो गए। पूरी घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसमें हमलावरों के चेहरे स्पष्ट नजर आ रहे हैं। घायल कारोबारी को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ति शराब कारोबारी प्रदीप कौरव ने बताया कि दोपहर करीब 1 बजे जब वह अपने कार्यालय में मौजूद थे, तभी अचानक 10 महिलाएं और करीब 25 युवक भीतर घुस आए। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध मारपीट व अपहरण के धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

बेसबॉल के डंडों से की मारपीट

हमलावरों ने अभद्र व्यवहार करते हुए क्षेत्र में दीपक लोधी का दबदबा होने की बात कही और बिना उसकी अनुमति के व्यापार न करने की धमकी दी। विरोध करने पर आरोपियों ने बेसबॉल के डंडों से प्रदीप पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गए। वारदात यहीं नहीं रुकी, हमलावर बेहोश प्रदीप को घसीटते हुए बाहर खड़ी एक बोलेरो में डालकर ले गए। आरोप है कि वाहन में मुख्य आरोपी दीपक लोधी भी सवार था। हमलावर उन्हें नहर के पास एक सुनसान जगह ले गए, जहां दोबारा बेरहमी से मारपीट की गई। एसआई दिलीप सिसोदिया ने बताया कि ग्राम बौछार के कुछ संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच मे लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

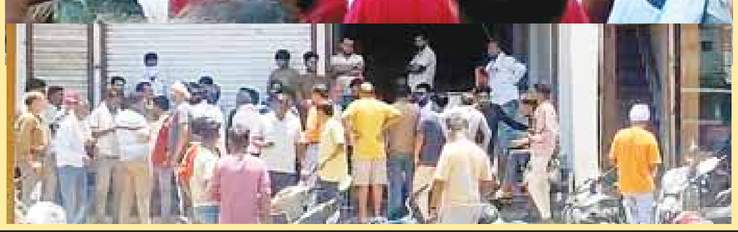

शराब दुकान स्थानांतरित करने को लेकर हंगामा

जिला मुख्यालय के अष्टांग चिकित्सालय चैराहे पर प्रस्तावित शराब दुकान को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। रविवार को उस समय विवाद की स्थिति बन गई, जब चैराहे पर स्थित एक शटर वाली दुकान में ठेका कर्मी शराब दुकान खोलने की तैयारी कर रहे थे। इसकी जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी मौके पर पहुंच गए। रहवासियों का कहना है कि यह चैराहा शहर का अत्यंत व्यस्त क्षेत्र है, जहां एक ओर घनी आबादी निवास करती है तो दूसरी ओर कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। चैराहे से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्कूल, मंदिर और साप्ताहिक बाजार स्थित हैं, जिसके कारण यहां दिनभर महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों का आवागमन बना रहता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि ऐसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में शराब दुकान खोलने की अनुमति देना नियमों के विरुद्ध है और इससे क्षेत्र का सामाजिक वातावरण बिगड़ सकता है। लोगों का कहना है कि शराब दुकान खुलने से असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ेगी, जिससे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर भी असर पड़ेगा। विरोध कर रहे रहवासियों ने प्रशासन और आबकारी विभाग से मांग की है कि इस निर्णय को तत्काल निरस्त कर दुकान को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र गोस्वामी, स्थानीय नागरिक एवं व्यवसायी अनुराग सोनी और अजय सोनी सहित अन्य लोगों ने भी कड़ा विरोध जताया और कहा कि यदि समय रहते प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो सभी रहवासी एकजुट होकर व्यापक आंदोलन और प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर तनाव और असंतोष का माहौल बना हुआ है तथा लोग प्रशासन की अगली कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

सड़क दुघर्टना में 1 की मौत, 3 घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात थाना क्षेत्र ठेमी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बताया गया कि ग्राम बम्हनी तिराहे के पास सिमरी रोड पर तेज रफ्तार थार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में रीछा निवासी मनीष पटेल उम्र 35 वर्ष की इलाज के दौरान मौत हो गई। कार में सवार अन्य तीन लोग नीलेश गोस्वामी, दुर्गेश पटेल और यशपाल पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी लोग कार से बाहर जा गिरे। जानकारी के अनुसार, करकबेल शराब दुकान के ठेकेदार प्रदीप कौरव की फील्ड मॉनिटरिंग टीम रात में गश्त पर थी। इसी दौरान करीब 1:30 बजे यह हादसा हुआ। चिकित्सकों के मुताबिक, यशपाल पटेल की हालत गंभीर है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है। वहीं नीलेश और दुर्गेश का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। अस्पताल चौकी पुलिस ने शून्य पर मर्ग प्रकरण दर्ज कर लिया है और पंचनामा कार्रवाई पूरी की गई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। आगे की जांच के लिए मामला ठेमी थाना भेजा गया है।

राजस्व विभाग ने हटाया 32 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बेखलेड़ी शेढ़ का औचक निरीक्षण कर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर कंटूर ट्रेंच निर्माण कराने के निर्देश दिए गए थे। कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में राजस्व विभाग के अमले ने कार्यवाही करते हुए 32 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत बेलखेड़ी शेढ़ में गौ शाला को 72 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई थी, जिसमें से 32 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। उक्त 32 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर जनपद पंचायत गोटेगांव एवं ग्राम पंचायत बेलखेड़ी शेढ़ को कब्जा सौंपा गया। उक्त भूमि में कंटूर ट्रेंच बनाने के लिए गड्ढे खोदे गए। इस दौरान नायब तहसीलदार राजीव कुमार नेमा, राजस्व निरीक्षक बरहटा तारापत पटेल, पुष्पराज पटेल, हल्का पटवारी, सीईओ जनपद पंचायत गोटेगांव, उप यंत्री, सरपंच व सचिव मौजूद थे।

2 वर्षीय बच्ची खाई चूहामार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस दो वर्षीय बच्ची ने चूहामार का सेवन कर लिया जिससे बच्ची की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दो वर्षीय शिवांगी ने खेलते समय से चूहामार का सेवन कर लिया। परिजनों द्वारा बताया गया कि घर पर चूहा मारने की दवाई रखी हुई थी जिसे बिल्ली द्वारा गिरा दी गई थी जिसे बच्ची द्वारा खेलते खेलते निगल लिया गया तबियत बिगड़ने पर परिजनों द्वारा उपचार के लिए साईखेड़ा ले जाया गया जहां से जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार शव का परीक्षण करा कर परिजनों को सौंप दिया।

उपसंचालक कृषि ने उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने रबी विपणन वर्ष के अंतर्गत गेहूं, चना एवं मसूर उपार्जन कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए गोटेगांव तहसील के विभिन्न उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान श्री शक्ति वेयर हाउस गुंदरई, कृष्ण वेयरहाउस रहली, स्वनिर्मित गोदाम गोटेगांव एवं श्री शक्ति एग्रो पिंडरई केंद्रों का अवलोकन किया। उपसंचालक कृषि ने केंद्र प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि केवल एफएक्यू मानक के अनुरूप कृषि उपज का ही उपार्जन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने वर्षा ऋतु की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रों पर पर्याप्त त्रिपाल (तिरपाल) की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उपज सुरक्षित रखी जा सके। साथ ही उपार्जन कार्य प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से नियमित रूप से प्रारंभ करने के लिए कहा गया। उपसंचालक कृषि मोरिस नाथ ने उपार्जन केन्द्रों में व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं केंद्र प्रबंधन को दिए।

चौरसिया समाज के 16 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे,पत्रिका का हुआ विमोचन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस चौरसिया समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन सागर में संपन्न हुआ। जिसमें 741 युवक युवती परिचय के उपरांत 16 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे प्रत्येक जोड़े को राष्ट्रीय संरक्षक इं रमेश चौरसिया द्वारा 21 हजार रुपए तथा सागर विधायक शैलेंद्र जैन की तरफ से 11 हजार रुपए नगद राशि प्रदान की गई।एवं समाज की सागर संगम पत्रिका का विमोचन समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। चौऋषि महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण पूजन अर्चन के साथ संपन्न हुये दो दिवसीय इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गौरव चौरसिया द्वारा की गई तथा सामाजिक गतिविधियों में सजग रहने वाले कार्यकारी अध्यक्ष जीवेश चौरसिया को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को लेकर सम्मानित किया गया।इस वृहद सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम और वृन्दावन धाम से पहुंचे कलाकारों के नृत्य जनाकर्षण के केंद्र बनें रहे।